Pregnancy Help Australia Limited

तथ्य पत्र

गर्भपात प्रक्रियाएँ और जटिलताएँ

गर्भपात का अर्थ है जानबूझ कर गर्भाशय से भ्रूण और नाल को बाहर निकाल कर गर्भ को समाप्त करना। यह एक सर्जरी प्रक्रिया होती है जिसमें किसी अन्य सर्जरी की तरह ही महिला को खतरा होता है और कुछ खतरे ऐसे होते हैं जो विशेष रूप से गर्भपात से जुड़े हुए हैं।

एनेस्थेसिया के विकल्प: गर्भावस्था के पहले 3 महीनों में गर्भपात कराने वाली महिलाओं के लिए एनेस्थेसिया के सामान्यतः तीन विकल्प उपलब्ध हैं।

लोकल एनेस्थेसिया: आपकी अंतःशिराओं में, विशेष रूप से बाजू में या हाथ के पीछे एक कैन्युला लगाई जाती है। यह उस मामले में किया जाता है जहां आपकी प्रक्रिया के दौरान आपातकाल में आपकी अंतःशिराओं तक पहुँचने की आवश्यकता हो। लोकल एनेस्थेसिया की दवा को सीधे आपके गर्भाशय में इंजेक्ट किया जाता है।

लोकल एनेस्थेसिया के खतरों में निम्न खतरे शामिल हैं:

- एनेस्थेसिया संबंधी दवा से होने वाली स्थानीय प्रतिक्रिया
- एनेस्थेसिया संबंधी दवा से होने वाली एलर्जी संबंधी दैहिक प्रतिक्रिया
- संक्रमण, जिसके कारण अंतःशिराओं को नुकसान हो सकता है और/या रक्तस्राव हो सकता है

(संदर्भ: क्वींसलैंड स्वास्थ्य प्रकाशन: About Your Anaesthetic)

• **अंतःशिराओं को सुन्न करने के लिए लोकल एनेस्थेसिया:**
आपकी बाजू या हाथ के पीछे की नसों में एक कैन्युला लगाई जाएगी। शिराओं में दी जाने वाली दवा को आपके रक्त में सीधे डाला जाएगा ताकि वे सुन्न हो जाएं, न कि बेहोशी पैदा हो। लोकल एनेस्थेसिया को सीधे आपके गर्भाशय में डाला जाएगा।

नसों को सुन्न करने वाले लोकल एनेस्थेसिया के खतरे वही होते हैं जो ऊपर दर्शाए गए हैं। इसके अलावा दवा से प्रतिक्रिया होने की संभावना भी रहती है।

• **सामान्य एनेस्थेसिया:**
आपके हाथ या हथेली के पीछे एक कैन्युला लगाई जाएगी और दवा को डाला जाएगा ताकि पूरी तरह से बेहोशी पैदा हो सके। आपकी नाक या मुँह पर एक मास्क लगाया जा सकता है और दवा को सांस से अंदर लेने के लिए भी कहा जा सकता है। इस प्रक्रिया का आपको कुछ भी पता नहीं लगेगा।

सामान्य एनेस्थेसिया के दुष्प्रभावों में निम्न शामिल हैं:

- मिचली या उलटी
- सिरदर्द
- सुई लगाने के स्थान पर दर्द और/या खरोंच
- गले में दर्द या गला और होंठ सूख जाना
- धुँधला या दोहरा दिखाई देना
- पेशाब करने में समस्या

कुछ कम सामान्य दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जिनमें निम्न शामिल हैं:

- मांसपेशियों में दर्द
- कमजोरी
- हल्की एलर्जी संबंधी प्रतिक्रिया - खुजली या दाने
- शिराओं को अस्थायी हानि

कुछ असामान्य दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जैसेकि:

- एनेस्थेसिया दिए जाने के बाद भी होश में रहना
- दांतों को नुकसान होना
- वॉइस बॉक्स और कॉर्ड्स को हानि पहुँचना, जिसके कारण आवाज अस्थायी रूप से खराब हो सकती है
- एनेस्थेसिया की दवा के साथ एलर्जी संबंधी प्रतिक्रिया और/या दमा
- पैर में रक्त के थक्के जमना
- मिर्गी का दौरा
- छाती में संक्रमण (धूम्रपान करने वालों के लिए इसकी अधिक संभावना है)

- नसों और दवाब क्षेत्रों में नुकसान

(संदर्भ: क्वींसलैंड स्वास्थ्य प्रकाशन: About Your Anaesthetic)

एनेस्थेसिया की जटिलताओं और दुष्प्रभावों के बारे में और अधिक जानकारी के लिए कृपया क्वीन्सलैंड हेल्थ की वेबसाइट www.health.qld.gov.au देखें।

गर्भपात प्रक्रियाएँ

गर्भावस्था के 12 सप्ताह तक गर्भपात की सर्जरी संबंधी सबसे सामान्य तकनीक को 'सक्शन एस्पिरेशन' कहा जाता है। सबसे पहले गर्भाशय को बढ़ते हुए आकार की छड़ों से फुलाया जाता है। इसके बाद एक ट्यूब को गर्भाशय के अंदर डाला जाता है और भ्रूण और नाल को गर्भाशय से निकालने के लिए सक्शन का प्रयोग किया जाता है। इसके बाद क्यूरेट नाम के एक अन्य उपकरण को डाला जाता है जिसके माध्यम से गर्भाशय की दीवारें को खुर्च दिया जाता है ताकि कुछ भी अंदर न रहे। इस प्रक्रिया को पूरा करने में सामान्यत: 15 मिनट से भी कम समय लगता है।

गर्भावस्था के 12 सप्ताह के बाद एक अलग विधि अपनाई जाती है क्योंकि भ्रूण अधिक विकसित हो चुका होता है और सक्शन विधि से उसे निकालना कठिन होता है। दो विधियां और हैं लेकिन दोनों में 12 सप्ताह की गर्भावस्था की तुलना में गर्भाशय को अधिक मुलायम और चौड़ा करना पड़ता है। गर्भाशय को ढीला करने के लिए मुँह के द्वारा हॉर्मोन को रोकने वाली दवाई दी जाती है या इसे योनि में डाला जा सकता है। विकल्प के तौर पर छड़ों का प्रयोग करके भी गर्भाशय को चौड़ा किया जा सकता है और इसके बाद एक उत्पाद को गर्भाशय में डाला जाता है। यह उत्पाद कुछ घंटों में गर्भाशय के चौड़ा होने तक फूल जाता है और गर्भपात किया जा सकता है। गर्भपात की प्रक्रिया सामान्यतः एक या या 2 दिन बाद पूरी की जाती है।

(संदर्भ: विक्टोरियाई सरकारी की *Better Health* वेबसाइट, मई 2007 को देखी गई)

गर्भपात संबंधी जटिलताएँ

गर्भपात की जटिलताओं में एनेस्थेसिया संबंधी जटिलताओं की उपरोक्त सभी जटिलताएँ और साथ ही निम्नलिखित जटिलताएँ भी शामिल हैं:

- अत्यधिक रक्तस्राव और/या गर्भाशय में रक्त के थक्के जमना जिसके लिए सर्जरी करनी पड़ सकती है
- अत्यधिक रक्तस्राव होना जिसके कारण रक्त चढ़ाना पड़ सकता है
- संक्रमण
- गर्भाशय फट सकता है जिसके लिए टांके लगाने की आवश्यकता पड़ सकती है
- गर्भाशय और/या कोई अन्य अंग फट सकता है या पंक्चर हो सकता है जो अपने आप भी ठीक हो सकते हैं या इसके लिए सर्जरी करनी पड़ सकती है या कभी-कभी गर्भाशय को निकालना भी पड़ सकता है
- गर्भाशय और/या फैलोपियन ट्यूब का संक्रमण। फैलोपियन ट्यूब को हुई हानि के कारण महिला को भविष्य में गर्भधारण न कर पाने का खतरा हो सकता है
- गर्भाशय का अयोग्य हो जाना जिसके कारण महिला भविष्य में गर्भधारण करने के लिए आयोग्य हो सकती है
- ऐशरमैन्स सिंड्रोम (मासिक-धर्म का बंद हो जाना और गर्भाशय का चिपक जाना जिसके कारण भविष्य में गर्भधारण करने की क्षमता खत्म हो सकती है)
- डिप्रेशन (अवसाद), मूड खराब होना, आत्महत्या का खतरा बढ़ना

(संदर्भ: विक्टोरियाई सरकारी Better Health वेबसाइट, मई 2007 को देखी गई, Planned Parenthood Australia सुविज्ञ सहमति दस्तावेज़)

गर्भपात की कई अन्य शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं हैं जिनपर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान किए गए हैं। आपकी इनमें से कुछ अनुसंधानों के बारे में वेबसाइट www.afterabortion.org पर पढ़ने में अभिरुचि हो सकती है।